महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

द रुरल कनेक्ट

खंड 02 अंक 1
जुलाई 2022

'मानवता के लिए योग' - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया
एम.जी.एन.सी.आर.ई. का आह्वान - देश भर में एच.ई.आई. योग सत्र आयोजित किया है

सामने से अग्रणी.....

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने में देश का नेतृत्व किया।

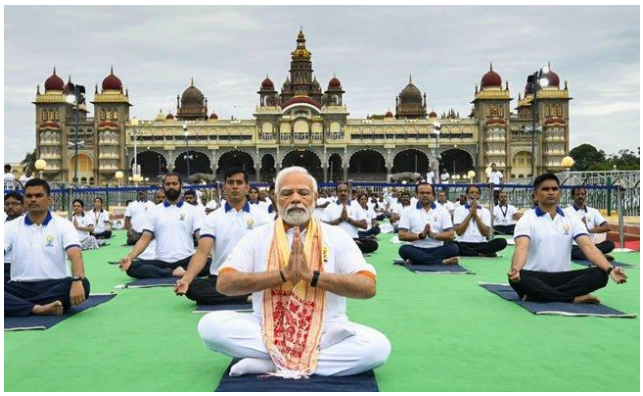

उन्होंने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई.डी.वाई.) के अवसर पर अपने संबोधन के दौरान कहा, "जब मानवता के लिए खतरा होता है, योग जीवन का एक समग्र तरीका प्रदान करता है और हमें तनाव से ताकत और नकारात्मकता से रचनात्मकता की ओर ले जाता है।" दुनिया भर में लगभग 25 करोड़ लोगों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया, सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में एक साथ योग किया। पूरी दुनिया में चल रहे आज़ादी का अमृत महोत्सव (ए.के.ए.एम.) समारोहों के साथ इसे पूरी तरह से जोड़कर भव्य तरीके से समारोह आयोजित किए गए। आई.डी.वाई. का मुख्य उद्देश्य लोगों के लिए योग के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जन जागरूकता पैदा करना था। वर्षों से, आई.डी.वाई. स्वास्थ्य के लिए एक जन आंदोलन बन गया है।

"योग योग शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का सूक्ष्म विज्ञान है। योग अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कुंजी है" श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री *ने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा किले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में कहा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने योग को महत्व दिया है और इसे बालवाटिका से कक्षा 12वीं तक के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों द्वारा योग पर शोध और चर्चा का आह्वान किया।*

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कौशल शिक्षा को स्कूल और उच्चतर शिक्षा में एकीकृत करने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों से भविष्य के उद्यमी बनने का आग्रह किया। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कौशल विकास और सूचना राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर की उपस्थिति में उभरती और भविष्य की प्रौद्योगिकियों में एक डिजिटल कौशल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डिजिटल स्किलिंग पहल इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज में 1 करोड़ छात्रों को इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और रोजगार के माध्यम से छात्रों को स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग पर केंद्रित करेगी। यह शिक्षा मंत्रालय, कौशल मंत्रालय और संबद्ध एन.एस.डी.सी., कौशल भारत कार्यक्रमों (प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक गठबंधन) और ए.आई.सी.टी.ई. के बीच राष्ट्रीय स्तर पर पहला सहयोग है। 100 से अधिक प्रौद्योगिकी कॉर्पोरेट/विनिर्माण फर्में पहले से ही इस मंच पर मुफ्त में उभरती हुई प्रौद्योगिकी प्रमाणन प्रदान करने के लिए शामिल हो चुकी हैं।

(स्रोत: pib.gov.in)

---

*एम.जी.एन.सी.आर.ई. को जिला ग्रीन चैंपियन **इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन,** सरायकेला से सम्मानित किया गया। झारखंड, योग क्रियाकलाप कर रहा है*

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के बीच स्वच्छता और सतत प्रथाओं को लागू करना

जम्मू के अपर उपायुक्त श्री मिंगा शेरपा आई.ए.एस. ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल की सराहना की और जम्मू जिले में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के बीच स्वच्छता और सतत प्रथाओं को लागू करने में उनके समर्थन का आश्वासन दिया।

आगामी! ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण व्यस्तता पर 2-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला - 14 और 15 जुलाई 2022

ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण व्यस्तता में संकाय विकास की विशेषता: रणनीति और प्रस्तुतियाँ; और ग्रामीण प्रबंधन और ग्रामीण व्यस्तता में अनुसंधान प्रबंधन: रणनीति और प्रस्तुतियाँ

पंजीकरण:https://forms.gle/qS58c8X3bsyDmSsE6

संपादक की टिप्पणी

योग: कर्मसु कौशलम् - योग क्रिया में उत्कृष्टता है। 21 जून 2022 को मनाए जाने वाले इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'मानवता के लिए योग' था। तथ्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए अपने योग संदेश में दोहराया कि "योग वास्तव में सार्वभौमिक है "विशेष रूप से तनाव और स्वास्थ्य के डर के इस समय में योग के विशाल महत्व की बात करता है। योग मानवता के लिए भारत का उपहार है और स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने अपने संबद्ध उच्चतर शिक्षा संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने में लगाया। आह्वान का जवाब देते हुए, देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने योग गतिविधियों का आयोजन किया।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण प्रथाएं प्रमुख एजेंडे में रही हैं और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आह्वान का जवाब देते हुए विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। कॉलेज परिसर और हरियाली का सर्वेक्षण, हरित आवरण के तहत क्षेत्रों को चिह्नित करना, कॉलेज की हरियाली को मजबूत करना, पौध संरक्षण प्रबंधन, बीज बैंक बनाना, स्वच्छ टीम बनाना, शून्य अपशिष्ट सप्ताह का पालन करना और शून्य अपशिष्ट चैंपियन प्रमाण पत्र के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीम की सराहना करना और उन्हें पुरस्कृत करना कुछ गतिविधियां थीं।

देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में राज्यों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम की फील्ड इंटरैक्शन स्वच्छता, स्थिरता, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए है। यह खुशी की बात है कि जिला कलेक्टरों/जिला मजिस्ट्रेटों/उपायुक्तों ने अपने-अपने जिलों में इन पहलों को बढ़ावा देने में अपना समर्थन और मार्गदर्शन दिया है।

विभिन्न विश्वविद्यालयों - मानव संसाधन विकास केंद्रों (एच.आर.डी.सी.) / संकाय विकास केंद्र (एफ.डी.सी.) / शिक्षण शिक्षण केंद्र (टी.एल.सी.) के साथ सहयोगात्मक आधारभूत कार्य के हिस्से के रूप में, परामर्श कौशल और सुविधा कौशल पर एक दिवसीय क्षेत्रीय जुड़ाव के साथ 6-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करना। ग्रामीण उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने भारतीदासन विश्वविद्यालय में संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। अकादमिक नेतृत्व और कैरियर और शिक्षा में नेतृत्व के महत्व के बारे में संकाय ने उत्साहपूर्वक एफ.डी.पी. में भाग लिया।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम - योग फॉर ह्यूमैनिटी - को उस महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखने का निर्णय लिया गया है जो योग कोविड-19 से निपटने में निभा रहा है। ***"मनः प्रशमनोपायो योग इत्यभिधीयते"*** - मन को शांत करने के उपाय को योग कहा जाता है। योग सांस लेने के अभ्यास और ध्यान पर जोर देता है - ये दोनों ही मन को शांत और केंद्रित करने में मदद करते हैं। योग मानसिक लाभ लाता है, जैसे चिंता और अवसाद को कम करता है और मस्तिष्क को बेहतर काम करता है। मुझे खुशी है कि देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों ने योग आयोजित करने के एम.जी.एन.सी.आर.ई. के आह्वान का जवाब दिया है और अपनी रिपोर्ट भी भेजी है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के संबद्ध एच.ई.आई. द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। *'केवल एक पृथ्वी'*, विषय, प्रकृति के साथ पूर्ण सामंजस्य में रहते हुए प्रभावी ढंग से अपनी भूमिका निभाने की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करता है।

डॉ भरत पाठक
उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

"खुशी की पहली शर्तों में से एक यह है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच की कड़ी को नहीं तोड़ा जाना चाहिए"
- लियो टॉल्स्टॉय।

MGNCRE | महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
Department of Higher Education,Ministry of Education,Government of India

Certificate of Appreciation

Dr. Nidhi Aggarwal, Asst. Professor, BBK DAV College for Women, Amritsar, Punjab has contributed to the World Environment Day Celebrations June 2022 as a faculty coordinator by conducting and completing the Green activities on campus. The initiatives taken up under Swachhta Activities were building outdoor classrooms, reinforcing greenery and showcasing the green decisions of the Institution. Mahatma Gandhi National Council of Rural Education congratulates the Institution for its participation and adding impetus to the activities conducted by the faculty members and students.

Date: 20.06.2022
Certi: MG/SAP/WED/FC/N1508/1

B S C Naveen Kumar
MGNCRE World Environment Day 2022
Monitoring Officer

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित करने के लिए एच.ई.आई. को एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा दिया गया प्रशंसा प्रमाण पत्र

एच.ई.आई. द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की झलक

एक धरती, जीरो वेस्ट चैंपियनशिप कार्यशाला

उदयपुर (वि.)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद ,उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं शिक्षा संकाय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में जीरो वेस्ट चैंपियनशिप कार्यशाला का आयोजन शिक्षा संकाय में किया गया । संकाय प्रमुख डॉ अल्पना सिंह कार्यक्रम समन्वयक के दिशा निर्देशन में इस कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसके अंतर्गत डॉ निशा शर्मा एवं डॉ मोनिका के नेतृत्व में पुनः चक्रित सामग्री का निर्माण कार्य करवाया अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी वस्तुओं एवं पेपर बैग निर्माण के माध्यम से वातावरण को प्लास्टिक मुक्त कराने का संकल्प लिया गया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर राजस्थान द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस - मीडिया रिपोर्ट - रीसाइक्लिंग पेपर बैग कार्यशाला (वन अर्थ जीरो चैंपियनशिप) - इंटर्न ने पेपर बैग बनाने की कला सीखी और रीसाइक्लिंग के महत्व को भी सीखा और यह भी सीखा कि यह सभी को कैसे लाभ पहुंचा सकता है। इस परियोजना का उद्देश्य लोगों को पुनर्चक्रण के महत्व को समझने में मदद करना और इससे उनकी आजीविका बनाने में मदद करना था।

सरस्वती नारायणन कॉलेज मदुरै द्वारा सेव सॉयल अभियान

सरकारी कॉलेज पनसेमल, बड़वानी, मध्य प्रदेश

सनातन धर्म कॉलेज, अंबाला छावनी, हरियाणा - *हरियाली को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहल की गई: माइक्रोग्रीन पर कार्यशाला; कंटेनर बागवानी; प्लांट पॉट पार्टी; "पारिस्थितिक संतुलन में मधुमक्खी" पर कार्यशाला। विद्यार्थियों ने प्लास्टिक की बेकार बोतलों से प्लांटर्स और बर्ड फीडर बनाए। नगर परिषद् के सहयोग से कॉलेज के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा गोद लिए गए गाँव (कर्दन, खोजकीपुर, नग्गल, मुनरेहरी, रोलोन) में परिसर और परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया। ग्रीन एर्थ एन.जी.ओ. के तत्वावधान में जीरो वेस्ट कैंपस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। • पुस्तकालय स्टाफ, लैब सहायक, स्वच्छता कार्यकर्ता, कैंटीन स्टाफ और माली सहित गैर-शिक्षण संकाय के लिए कचरा प्रबंधन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कैंपस में बीस अलग-अलग स्थानों पर बर्ड फीडर लगाए गए। पर्यावरण राजदूत चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया और विजेता छात्रों को पर्यावरण राजदूत पुरस्कार और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।*

ई-कचरा संग्रह अभियान चलाया गया जिसमें परिसर में चार स्थानों पर काले रंग के डिब्बे रखे गए। सप्ताह के अंत में 19.7 किलोग्राम ई-कचरा एकत्र किया गया और कचरे को लैंडफिल में जाने से रोकने के लिए निराकरण फर्म को सौंप दिया गया। विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों द्वारा पेयजल का ऑडिट किया गया। स्वच्छता एस.ए.पी. समिति द्वारा शौचालय ऑडिट किया गया।

हम अपने संस्थान **विनायक मिशन किरुपानंद वरियार इंजीनियरिंग कॉलेज,** सलेम को मान्यता देने और बधाई देने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् से प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अपनी स्वीकृति और आभार व्यक्त करना चाहते हैं और हमारे संकाय समन्वयक और छात्र द्वारा आयोजित गतिविधियों में भाग लेने और प्रोत्साहन देने के लिए हमारी ग्रीन टीम की आपकी सराहना हमारे लिए अमूल्य रही है। शिक्षा के माध्यम से पर्यावरण की सेवा और संरक्षण करना हम इसे एक महान सम्मान मानेंगे। फिर भी, हम प्रगति में अत्यधिक रुचि रखते हैं और आपके द्वारा किए गए प्रत्येक लक्ष्य के लिए हमें भेजने के लिए आपकी सराहना करेंगे। आपके प्रयास सफल हों। जब आप प्रत्येक उद्देश्य को पूरा करते हैं तो हमारी संस्था को बहुत लाभ होता है। प्राचार्य वी.एम.के.वी.ई.सी.

शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय - इको-क्लब के सदस्यों द्वारा प्लास्टिक का उपयोग न करने और उन्हें अन्य पर्यावरण के अनुकूल और सतत वस्तुओं के साथ बदलने पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का परिणाम कैंटीन की कटलरी को स्टील के बर्तनों या कांच के बर्तनों से बदलने, परिसर में प्लास्टिक की थैलियों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध, कपड़े से बने या पुन: प्रयोज्य बैग के उपयोग, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के रूप में परिलक्षित हुआ। उनके लंच बॉक्स, कटलरी, फ्लास्क और मग ला रहे हैं। 'प्लास्टिक हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग बन गया है' विषय पर एक अंतर-कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों की 25 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के राउंड 2 के लिए विजेताओं का चयन किया गया।

बिशप मूर कॉलेज, मवेलिकारा, अलापुझा, केरल

गतिविधि 1 बाहरी कक्षा कक्ष: शिक्षण के लिए ट्री शेड्स का उपयोग किया गया
गतिविधि 2 गूगल मैप का उपयोग करके परिसर का नक्शा तैयार किया और हरियाली के क्षेत्र की गणना की गई
गतिविधि 3 कॉलेज के पास एक परियोजना है "शांतिस्थल" नाम दिया गया है जिसमें प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए एक संरक्षित क्षेत्र बनाए रखा जाता है।
गतिविधि 4 प्लास्टिक और पर्यावरण के एकल उपयोग पर जागरूकता वर्ग और वाद-विवाद
गतिविधि 5 दुर्लभ लुप्तप्राय और संकटग्रस्त पौधों का रोपण
गतिविधि 6 सब्जियों की खेती
गतिविधि 7 छात्रों के बीच पेड़ पौधों का वितरण
गतिविधि 8 समुद्र तट की सफाई

जैन (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)

आई.आई.एम. काशीपुर - *पूर्व छात्र संबंध समिति द्वारा वृक्षारोपण पहल - "समृद्धि का वृक्ष"*

आइए हम विश्व को एक स्वच्छ और स्वस्थ स्थान बनाने के लिए अपना छोटा सा प्रयास करें

उच्चतर शिक्षा संस्थानों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की झल

सेंट जेवियर्स कॉलेज सिमडेगा झारखंड

गवर्नमेंट ऑटोनॉमस पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, छिंदवाड़ा (एम.पी.)

रासेयो स्वयंसेवकों अपने-अपने घरों में किया योग

पीजी कॉलेज रासेयो इकाई ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

मरुधर केसरी जैन कॉलेज फॉर विमेन, वनियामबादी, तिरुपत्तूर, तमिलनाडु

ए.आई.एम.ए.एन. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस फॉर वूमेन तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु

स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, वी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल कैंपस, विनायक मिशन रिसर्च फाउंडेशन (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), सलेम, तमिलनाडु

அலைடு ஹெல்த் சயின்ஸ் துறை சார்பில்

சர்வதேச யோகா தினம் கடைபிடிப்பு

डॉ. बी.आर. अंबेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब

Dr BR Ambedkar, NIT

The 8th International Day of Yoga was celebrated by the Yoga & Meditation Club at Dr BR Ambedkar National Institute of Technology (NIT) by organising the yoga, pranayama and meditation session with a view to educate faculty, staff and students. Raman Wadhwa, Faculty Sri Sri Yoga Kapurthala, and Archana Sukhija, Faculty Art of Living, have been invited for conducting the common yoga protocol during the celebration. They briefed the fundamental definition of yoga and its importance to health and wellness to professionals. The importance of deep breathing for maintaining good health was also emphasised.

जे.आई.बी. स्कूल ऑफ पॉलिटेक्निक, नादिया, पश्चिम बंगाल

स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ

मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की कुंजी है योग: कुलपति डा. जी.के. थपलियाल

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में विश्व योग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। योग दिवस के कार्यक्रम को महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलिज एण्ड हॉस्पिटल ऑफ नैचुरोपैथी एण्ड योगिक साइंसेज के द्वारा विवि के आईक्यूएसी, एनसीसी, एनएसएस तथा फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रात: सुबह 07 बजे जीटीबी प्रेक्षागृह में सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. जी.के.थपलियाल ने विश्व योग दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलपति मेजर जनरल डा. जी.के.थपलियाल ने कहा कि योग हमारे जीवन का आधार है और योग से हमें शारीरिक व मानसिक संतुलन मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों द्वारा किए गए हजारों वर्ष के परिश्रम को भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मानव कल्याण की दिशा में योग को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाई है। विवि की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. शल्या राज ने कहा कि योग पूरे विश्व को स्वास्थ्य की अनमोल देन है एवं योग के माध्यम से मानसिक एकाग्रता आती है। इस अवसर पर डा. संदीप कुमार, डा. नीरज कर्ण सिंह, डा.अनोज राज, डा. नीतू पवार आदि सहित विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

NIT Sikkim faculty, students participate in Yoga Day event

SE Report

GANGTOK, June 21: The International Day of Yoga was celebrated with full spirit and vigour at National Institute of Technology Sikkim, at Ravangla today. The event also marked the closure of the 14-day workshop on yoga organised in the campus from June 7 to June 20 under the guidance of Patanjali Yog Committee Sikkim president R.P. Poudyal. The workshop was held to inculcate the habit of daily yoga exercises in the day to day life of the participants, informs a press release.

The Yoga Day event saw the attendance of faculty, staff and students of NIT Sikkim. The event started with the live telecast of the address of Prime Minister Narendra Modi.

NIT Sikkim director Prof. Mahesh Chandra Govil, in his address, stressed on the necessity of both mental and physical exercise, especially in the present times of stress and competition. He reminded the students that the practise of yoga not only strengthens the physical body but also purifies the mind and enhances concentration with the removal of negativity and redundancy. He also informed that the practise of yoga is older than history itself as Lord Shiva is also referred to as the Adiyogi, literally meaning the first yogi who then passed on the teachings of yoga to the Saptarishis, the great seven sages. Hence, yoga has been part of the Indian civilisation from time immemorial and the treasure of yoga is now shared around the world in the form of a gift by our great country, he said.

The event witnessed performance of various yoga exercises and postures which was demonstrated by the director and performed with full enthusiasm by the participants. The director advised the participants to make yoga a practise in every household and encourage the young and old alike to adopt any of the various yogic exercises.

The event concluded with the singing of National Anthem.

सरकारी डिग्री कॉलेज कुपवाड़ा जम्मू और कश्मीर

फील्ड इंटरेक्शन (क्षेत्र पर बातचीत) / संस्थागत दौरे

"ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, जल संरक्षण प्रथाओं और इसे स्वच्छ परिसर बनाने के लिए हर संस्थान में स्थायी प्रथाओं को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है"

तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले में टी.जे.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज में एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित राउंड टेबल बैठक

तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में ई.एस. कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस और गवर्नमेंट लॉ कॉलेज में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने पर कॉलेज के कर्मचारियों के साथ फील्ड इंटरेक्शन

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रोजेक्ट एसोसिएट तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के अरिग्नार अन्ना गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का अवलोकन करते हुए, जहाँ वर्षा जल को प्रयोगशाला उपयोग और हरियाली के लिए आसुत जल में पुनर्नवीनीकरण किया जाता है।

जम्मू जिले के परेड ग्राउंड कैंपस के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वीमेन के फील्ड विजिट के दौरान एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रोजेक्ट एसोसिएट द्वारा एक बायोगैस यूनिट, वर्मी-कम्पोस्ट और हरियाली प्रथाओं का अवलोकन किया गया।

बिहार के शेखपुरा जिले में उच्चतर शिक्षा संस्थान के अधिकारियों के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट्स, एम.जी.एन.सी.आर.ई. की बातचीत।

छत्तीसगढ़

परियोजना एसोसिएट्स, एम.जी.एन.सी.आर.ई., छत्तीसगढ़ राज्य के उच्चतर शैक्षणिक संस्थान के अधिकारियों और स्थिरता मानकों की मात्रात्मक माप में सुविधा संस्थानों के साथ बातचीत।

दिल्ली

उच्चतर शिक्षण संस्थानों में सतत मानकों को बढ़ावा देने पर जिला कलेक्टर के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट की बातचीत।

गुजरात

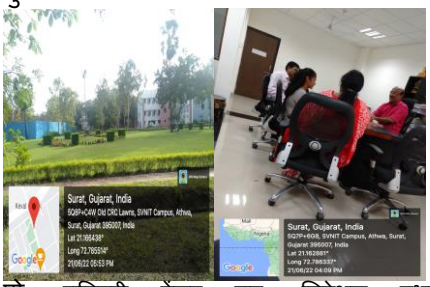

प्रो. राविपुड़ी वेंकट राव, निदेशक प्रभारी, एस.वी.एन.आई.टी. सूरत उच्चतर शिक्षण संस्थानों में स्थिरता मानकों पर फील्ड इंटरेक्शन के दौरान

प्रोजेक्ट एसोसिएट, एम.जी.एन.सी.आर.ई. डॉ. किशोर सिंह एन. चावड़ा, माननीय कुलपति, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के साथ उच्चतर शिक्षा संस्थानों के स्थिरता सूचकांक पर फील्ड इंटरेक्शन के दौरान

झारखंड

झारखंड राज्य के खूंटी जिले में स्थिरता मानकों को बढ़ावा देने पर फील्ड विजिट के दौरान संस्थान के अधिकारियों के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र राज्य में फील्ड इंटरेक्शन के दौरान प्राचार्य डॉ. एम. सुभाष के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट एम.जी.एन.सी.आर.ई.

मेघालय

उड़ीसा

कुलपति डॉ. बशीधर माझी, रजिस्ट्रार प्रो. उपमा कौलो और वीर सुरेंद्र साई प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा के अन्य अधिकारियों के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट एम.जी.एन.सी.आर.ई.

प्रो. संजीव मित्तल, माननीय कुलपति, संबलपुर विश्वविद्यालय के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

ओडिशा राज्य के विभिन्न जिलों में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ फील्ड इंटरेक्शन के दौरान प्रोजेक्ट एसोसिएट, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

राजस्थान

प्रो. अनिल शुक्ला, कुलपति, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर उच्चतर शिक्षण संस्थानों में स्थिरता पहलुओं के कार्यान्वयन पर फील्ड इंटरेक्शन के दौरान के साथ प्रोजेक्ट एसोसिएट एम.जी.एन.सी.आर.ई.।

उच्चतर शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों के साथ उच्चतर शिक्षा संस्थानों में स्थिरता प्रथाओं को बढ़ावा देने के दौरान बातचीत

तमिलनाडु

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में संस्थागत क्षेत्र के दौरे के दौरान विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों, संकाय सदस्य टीमों और छात्रों के साथ बातचीत में प्रोजेक्ट एसोसिएट एम.जी.एन.सी.आर.ई.

पश्चिम बंगाल

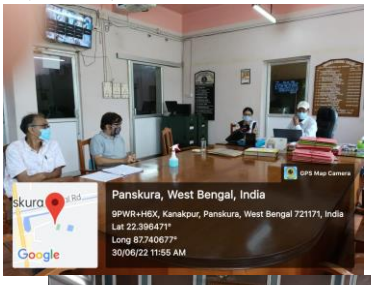

पश्चिम बंगाल में संस्थागत क्षेत्र के दौरे के दौरान विभिन्न उच्चतर शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों, संकाय सदस्य टीमों और छात्रों के साथ बातचीत में प्रोजेक्ट एसोसिएट एम.जी.एन.सी.आर.ई.

एम.जी.एन.सी.आर.ई. सलाहकार ने हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, चेन्नई के पर्यावरण लेखा परीक्षा में भाग लिया और परिसर में जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों के पहलुओं के तहत सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

ग्रामीण उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए कौशल और सुविधा कौशल की सलाह पर संकाय विकास कार्यक्रम
20 - 25 जून
भारतीदासन विश्वविद्यालय
तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने मेंटरिंग स्किल्स और फैसिलिटेशन पर एक दिवसीय फील्ड एंगेजमेंट के साथ 6-दिवसीय ऑफलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों - मानव संसाधन विकास केंद्रों (एच.आर.डी.) / संकाय विकास केंद्र (एफ.डी.सी.) / टीचिंग लर्निंग सेंटर (टी.एल.सी.) के साथ सहयोगात्मक आधार बनाया है। ग्रामीण उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए कौशल। इस संकाय विकास कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण - अधिगम वातावरण में नवीन प्रगति और सुधार करने के लिए तैयार करना है।

फील्ड विजिट की झलक एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति द्वारा समन्वित

मणिकंदम पंचायत के ओलैयूर गांव का फील्ड विजिट किया गया। पी.आर.ए. गांव की महिलाओं के साथ फोकस ग्रुप डिस्कशन के साथ किया गया।

प्रतिभागियों ने यह सीखा-

- समस्या की जरूरतों का महत्व।
- क्षेत्र अध्ययन में शामिल नए विचारों का पता लगाना।
- ई-कचरे का निपटान कैसे करें
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का महत्व
- तरल कचरे का सफाया कैसे करें

जिला कलेक्टरों ने उच्चतर शिक्षा संस्थानों में सतत मानकों को लागू करने के लिए समर्थन दिया

एम.जी.एन.सी.आर.ई. आर.सी.आई. यू.बी.ए. के रूप में यह जिलों में काम करते हैं -
1. आदिलाबाद 2. निर्मल 3. मनचेरियल
4. जगतियाल 5. पेद्दापल्ली 6. निजामाबाद
7. राजन्ना सिरसिला 8. करीमनगर
9. मेडचल- मलकाजगिरी 10. रंगारेड्डी
11. नलगोंडा

एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति जिलों के सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों में जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरियाली और वृक्षारोपण जैसे स्थायी मानकों को लागू करने के लिए समर्थन की मांग करते हुए जिला कलेक्टरों से मुलाकात की।

श्रीमती सिकता पटनायक, आई.ए.एस., जिला कलेक्टर, आदिलाबाद

श्रीमती भारती होलिकेरी, आई.ए.एस., जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट, मंचेरियल

श्री सी नारायण रेड्डी, आई.ए.एस., जिला कलेक्टर, निजामाबाद

श्री मुशर्रफ फारूकी, आई.ए.एस., जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट, निर्मल जिला।

प्रो.के. शिव शंकर, रजिस्ट्रार तेलंगाना विश्वविद्यालय और डॉ. चंद्र शेखर, यू.बी.ए. समन्वयक, टी.यू., निजामाबाद के साथ बातचीत

डॉ. राममोहन रेड्डी, प्राचार्य, गिरिराज गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, निजामाबाद

प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन एवं प्रबंधन के साथ संवादात्मक बैठक हुई
एस.एस.आर. डिग्री कॉलेज, निजामाबाद अध्यक्ष श्री मरैया गौड़; वाग्देवी डिग्री कॉलेज, निजामाबाद श्री सृजन; सदीपनी डिग्री कॉलेज, कामारेड्डी; श्री हरिस्मरन रेड्डी; निशिता डिग्री कॉलेज, निजामाबाद, श्री राजू; उशोद्या डिग्री कॉलेज, बोधन, श्री सूर्य प्रकाश

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, मंचेरियल के साथ बातचीत

यू.बी.ए. पार्टिसिपेटिंग इंस्टीट्यूट, गीतांजलि कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी ने कार्टूला हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आर.सी.आई., एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा सुविधा प्रदान की, उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांवों, थिम्मईपल्ली और गोधुमाकुंटा, मेडचल मलकाजगिरी जिले में ग्रामीण स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र का उद्घाटन किया।

उद्यमिता, जीवन के हिस्से के रूप में स्वच्छता कार्य योजना और स्थिरता पहलुओं पर श्रीराम इंजीनियरिंग संस्थान, चेन्नई के संकाय और छात्रों के साथ संस्थागत दौरा और कार्यशाला।

आई.टी.एम विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए उद्यमिता पर ऑनलाइन कार्यशाला

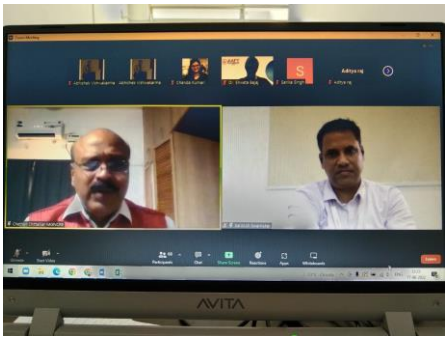

"सतत विकास का अर्थ भविष्य की पीढ़ी की जरूरतों से समझौता किए बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करना है।"

महात्मा गांधी

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004

दूरभाष: 040-23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादक: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित

RNI NO: TELENG/2021/81111